

(नियम 26)

जज अदालत..... उपलब्ध अधिकारी मुकाम..... वधाना
 रमा एफ बनाम..... गौरधन
 किस्त मुकदमा..... दावा नं. 331/08 अ सन 99/21


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुये
12/ दिसम्बर 21	<p>दावा की (जिसे ही) प्रतिवादी मय के जजिक समन एफए का पत्रावली- दिनांक 12/10/21 को पेश की।</p> <p>प्रभाव सके अधिपान के पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 21/12 को पेश हो</p> <p>रॉडर</p> <p>एस0डी0ओ0/एस0डी0एम0 बयाना</p>	अजीराज
14/11/21	<p>इफ्तान आपस प्रवासन गार्डे के समन अधिपान वकी 2021 के तहत थिथिरे-मैय रजिस्ट्रार पेश हुअन। वकी दपाराम व उरि 1, 2, 4 उपलब्ध वकी ने एडवोकेट पेश कर रिफेडन डिया है कि अब प्रकामान के मरप आपस में राजीनामा हो चुका है। वकी अब अपना एफए आगे नहीं चलाना चाहता है। वकी वकी इती स्तर पर समझौता करके का रिफेडन डिया है। हमने वकी को सुना। वकी अब अपना एफए</p>	<p>दुर्गाराम</p> <p>गौरधन</p> <p>अजीराज</p> <p>केकेएसि</p>

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुये

तारीख
हुकम

भागों नहीं चलाना चाहता है। दाया
रकारिज करने की इच्छा का भी है।
वकी व प्रॉ. 1.2.4 की पहचान-
वालक्षण सिद्धार में की है।
अलग वाड - वकी वकी के हरा
उत्तुत प्रापिका पप्र, रज्जिनाम के आधार
पर इसी तरह पर रकारिज दिया
जाता है। जप्रावनी के नाम हीर
नम्बर 22 कम ही। दाखिल दहा व


उपखण्ड अधिकारी
बयाच (भक्तपुर)